सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 72 | जौनपुर, बुधवार, 30 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आप विधायक अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेसी। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं के एक मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को लेकर आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत (पूरक आरोपपत्र) दायर की। यह मामला ओखला इलाके में 36 करोड़ रुपये में जमीन खरीदने से जुड़ा है। 110 पन्नों की पूरक चार्जशीट में मरियम सिद्दीकी का भी नाम है, जिसे ईडी ने मामले में आरोपी के तौर पर गिरफ्तार नहीं किया था। अदालत 4 नवंबर को इस पर विचार कर सकती है। दिल्ली वक्फ बोर्ड में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के लिए ईडी के राष्ट्रीय राजधानी स्थित उनके घर पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद आप विधायक को केंद्रीय एजेंसी ने 2 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें ईडी कार्यालय लाया गया और बाद में दिल्ली की अदालत में पेश किया गया।

सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने चलाया अलग–अलग ऑपरेशन

छत्तीसगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में अलग– अलग अभियानों में सुरक्षा बलों ने कम से कम 19 नक्सलियों को गिरफ्तार किया, जिनमें से तीन इनामी थे। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 219वीं और 150वीं बटालियन और कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई) की 201वीं बटालियन की संयुक्त टीमें ऑपरेशन में शामिल थीं। 14 नक्सलियों को जगरगुंडा पुलिस थाना क्षेत्र में पकड़ा गया, जबकि पांच को भेज्जी पुलिस थाना सीमा के भीतर रविवार को हिरासत में लिया गया। सुरक्षा बलों ने 14 कैडरों से तीन जिलेटिन की छड़ें, 300 ग्राम बारूद, कॉर्डेक्स तार, डेटोनेटर, बिजली के तार और बैटरी भी जब्त कीं।

उत्तराखंड में शुरू हुई पहली एयर एंबुलेंस सेवा

देहरादून, एजेसी। एम्स ऋषिकेश में हेली एंबुलेंस सेवा शुरू की गई। साथ ही ड्रोन के जरिए सुदूर क्षेत्रों में दवाइयां भेजने के लिए ड्रोन सेवा का भी शुभारंभ किया गया। इस दौरान पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू भी मौजूद रहे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने कहा कि आज देश में पहली बार निजी क्षेत्र में सरकार की ओर से हेली एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत की जा रही है। किंजरापु राम मोहन नायडू ने कहा कि यह देश की चिकित्सकीय सुविधा के क्षेत्र में बहुत बड़े बदलाव को लाने की संभावना रखता है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण सुविधा है और काफी समय से इसका इंतजार था... ड्रोन सर्विस भी शुरू की गई है जिसके तहत हम कई दवाओं या अन्य चिकित्सकीय सुविधाएं सुदूर क्षेत्रों में पहुंचा सकते हैं। एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि हेली एंबुलेंस सेवा का दुरुपयोग न हो, इसके लिए वास्तविक जरूरतमंद की पहचान के लिए विशेष ढांचा तैयार किया गया है।

आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून से खिलवाड़ नहीं कर सकता - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों की व्यवस्था पर तंज कसते हुए दावा किया कि आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून से खिलवाड़ नहीं कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोमतीनगर स्थित होटल ताज में आयोजित एक न्यूज चौनल के शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा, ''प्रदेश की पहचान देश और दुनिया में दंगे, दुर्दांत माफिया, माफिया गिरोह, राजनीति के अपराधीकरण और शासन के भ्रष्टाचार के रूप में हो गयी थी। इसकी वजह से प्रदेश के युवाओं के सामने नौकरी, सम्मान और स्वाभिमान का संकट खड़ा हो गया था।'' मौजूदा माहौल पर उन्होंने कहा, ''आज प्रदेश में निवेश और पर्यटन के लिए अनुकूल माहौल है। यह केवल नीति और कारोबार सुगमता से ही संभव नहीं हुआ है, बल्कि इसके लिए प्रदेश सरकार ने चरणबद्ध तरीके से कार्य किया।'' योगी ने कहा, ''इसमें कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति की अहम भूमिका रही है। यही वजह है कि आज कोई भी माफिया और अपराधी कानून के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''अगर वह (माफिया) सोचता भी है तो कानून उसकी गर्दन पकड़ने का काम करेगा। अब प्रदेश में हर किसी को सुरक्षा का माहौल मिल रहा है।' विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों की ओर इशारा करते हुए योगी ने तंज किया, ''प्रदेश में पर्व और त्योहार के नजदीक आते ही लोगों के मन में भय और दहशत पैदा हो जाती थी। उन्हें डर रहता था कि कब कहां दंगा हो जाए।'' योगी ने कहा, ''वहीं आज प्रदेश दंगा और अराजकता मुक्त हो गया है। पहले जहां कोई निवेशक प्रदेश में निवेश नहीं करना चाहता था और जिसने निवेश भी किया था तो वह यहां से अपना कारोबार समेट कर भागने की फिराक में रहता था।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, ''पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश की तस्वीर देश और दुनिया में बदली। आज देश और दुनिया के निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रहे हैं। योगी ने कहा, ''यही वजह है कि पिछले वर्ष 'ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट' में प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

रोजगार मेला में पीएम मोदी ने बाटे 51000 अप्पाइंटमेंट लेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को संबोधित भी किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं आप सभी को धनतेरस के पावन अवसर पर बधाई देता हूँ। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूँगा कि यह दिवाली बहुत खास होने वाली है। यह इसलिए भी खास होगी क्योंकि 500 घ्घसाल के लंबे इंतजार के बाद प्रभु रामलला के भव्य अयोध्या मंदिर में विराजमान होने के बाद यह पहली दिवाली है!

नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्सव के इस माहौल में आज इस पावन दिन पर रोजगार मेले में 51,000 नौजवानों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मैं आप सबको बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में परमानेंट सरकारी नौकरी देने का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा और छक। शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी–अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है। इन दिनों हरियाणा में एक उत्सव का माहौल है। मोदी ने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरी देती तो है, लेकिन बिना खर्ची–बिना पर्ची के नौकरी देती है। मैं आज हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को विशेष बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये हमारा कमिटमेंट है। सरकार की नीतियों और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता है। आज एक्सप्रेस वे, हाइवे, रोड, रेल, पोर्ट, एयरपोर्ट, फाइबर लाइन बिछाने का काम, नए–नए उद्योगों का विस्तार, देश के कोने–कोने में हो रहा है। उन्होंन`कहा कि हमने हर नई तकनीक में ड।झ्म छ छ्छक्। को आगे बढ़ाया। हमने आत्मनिर्भर भारत पर काम किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कल मैं वडोदरा में था। वहां मुझे डिफेंस सेक्टर के लिए एयरक्राफ्ट बनाने वाली बिजवतल का उद्घाटन करने का अवसर मिला। इस फैट्री में हजारों लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। लेकिन नौकरी के जितने अवसर तैयार होंगे, उससे कहीं ज्यादा एयरक्राफ्ट के स्पेयर पार्ट्स बनाने के लिए बहुत सारे छोटे–छोटे कारखानों का जाल बनेगा।

बीजेपी समाज में विभाजन को बढ़ावा दे रही – हेमंत सोरेन

रांची, एजेसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह समाज में विभाजन को बढ़ावा दे रही है और उसे बढ़ा रही है तथा हाशिए पर पड़े समूहों का समर्थन करने में विफल रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणियों के जवाब में सोरेन ने भाजपा नेताओं से सीमा सुरक्षा और बांग्लादेश से कथित घुसपैठ के संबंध में अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और जवाबदेही पर सवाल उठाने का आह्वान किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि ध्यान रखिए कि ये लोग (बीजेपी) हिंदू–मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करते हैं, भाई–भाई में झगड़े करवाते हैं, घर–घर में फूट डालते हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आज मैं इन बीजेपी नेताओं से पूछना चाहता हूं कि अपने प्रधानमंत्री से पूछिए। जब घ्व्वो सत्ता में नहीं थे, तो किस किताब से राज चलाते थे? उन्होंने कहा था कि संविधान से देश चलना चाहिए और हिंदू–मुस्लिम के बीच दंगे होने के बाद बांग्लादेश से घुसपैठियों के लिए कौन जिम्मेदार है? इसके बाद उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने लोगों का है और सीमा पर नियंत्रण पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब हम बांग्लादेश की बात करते हैं, तो हमें पूछना पड़ता है कि सीमा पर किसका नियंत्रण है–यह केंद्र सरकार, बीएसएफ और राज्य सरकार के हाथ में है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री को किन परिस्थितियों में अनुमति मिलती है? किस तरह की सरकार इसकी अनुमति देती है? हमें किसी से कोई प्रचार नहीं चाहिए। सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज उनके पास किसानों, मजदूरों, गरीबों, बुजुर्गों, छात्रों या महिलाओं की मदद करने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन उनके पास अपने अरबपति दोस्तों का कर्ज माफ करने के लिए पर्याप्त पैसा है।

जरूरतमंदों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लक्ष्य के साथ काम कर रही सरकार – सीएम भजनलाल

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आयुर्वेद दिवस के अवसर पर लगभग 12,850 करोड़ रुपये की लागत वाली स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं का 'डिजिटल माध्यम' से उद्घाटन और शिलान्यास किया जिसमें राजस्थान से जुड़ी परियोजनाएं भी शामिल हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कार्यक्रम में भरतपुर के आरबीएम अस्पताल से 'वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग' के माध्यम से जुड़े। शर्मा ने कहा, ''प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत के तहत आज राज्य में भरतपुर, धौलपुर, चूरू, बूंदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही, करौली तथा हनुमानगढ़ में गहन चिकित्सीय देखभाल खंड का शिलान्यास किया गया है। इनकी स्थापना जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में की जा रही है।'' उन्होंने कहा कि गहन चिकित्सका इकाई (आईसीयू) बिस्तर, ऑपरेशन थियेटर सहित अन्य आपातकालीन सुविधाओं से लैस इन खंड से प्रदेश में आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधाएं सुदृढ होंगी। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए 73 'डे केयर पैकेज' शामिल किए गए हैं।

सरदार पटेल की जयंती पर एकता दौड़ का आयोजन - शाह

गुजरात, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि एकता दौड़ न केवल भारत की एकता के लिए एक संकल्प है, बल्कि यह विकसित भारत का भी संकल्प बन गया है। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एकता दौड़ कार्यक्रम में बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान सरदार पटेल की याद में एकता दौड़ आयोजित करने का फैसला किया। अमित शाह ने कहा, इस बार 31 अक्टूबर को दिवाली का त्यौहार है। इसलिए 31 अक्टूबर की बजाय आज 29 अक्टूबर को धनतेरस के पावन अवसर पर एकता दौड़ आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। 31 अक्टूबर 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की एकता और अखंडता के लिए महान सरदार पटेल की स्मृति में एकता दौड़ आयोजित करने का निर्णय लिया था। आज जब हम सभी एकता दिवस पर एकता दौड़ के लिए यहां एकत्र हुए हैं, तो यह एकता दौड़ सिर्फ भारत की एकता का संकल्प नहीं है, अब एकता दौड़ विकसित भारत का संकल्प भी बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्षों तक सरदार पटेल को भुलाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा, ष्वर्षों तक उन्हें भारत रत्न के सम्मान से वंचित रखा गया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करके सरदार पटेल की स्मृति को जीवित रखने का काम किया है। इस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया भी उपस्थित थे। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित होने वाली रन फॉर यूनिटी इस बार 29 अक्टूबर को आयोजित की जा रही है। इस बार दीपावली के उपलक्ष्य में श्रन फॉर यूनिटीश आज आयोजित की जा रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में इसकी घोषणा की थी और कहा था कि इस वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती और दीपावली का त्यौहार एक साथ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर साल 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर हम 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन करते हैं।

कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

नई दिल्ली, एजेसी। हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के बारे में कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोप लगाने से बचने के लिए पत्र लिखाय पार्टी को 'सामान्य' संदेह फैलाने के लिए आड़े हाथों लिया और कांग्रेस से इस तरह की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दृढ़ और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। चुनाव आयोग ने कांग्रेस से आग्रह किया कि मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर गैर–जिम्मेदाराना आरोप लगाने से सार्वजनिक अशांति, अशांति और अराजकता पैदा हो सकती है। पिछले एक साल में 5 विशिष्ट मामलों का हवाला देते हुए, चुनाव आयोग ने लंबे समय से अनुभव रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी से उचित परिश्रम करने और बिना किसी सबूत के चुनावी संचालन पर आदतन हमले करने से बचने के लिए कहा। सभी 26 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा गहन पुनर्सत्यापन के बाद, ईसीआई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को लिखा कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया का प्रत्येक चरण त्रुटिहीन था और कांग्रेस उम्मीदवारों या एजेंटों की निगरानी में किया गया था। ईसीआई अधिकारियों के जवाब में 1642 पृष्ठों के साक्ष्य शामिल हैं कि कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि सभी चरणों में मौजूद थे, जिसमें कमीशनिंग के समय बैटरी रखना और उसके बाद 7–8 दिनों तक लगातार गिनती खत्म होने तक शामिल था। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा चुनाव में अनियमितता के बारे में कांग्रेस पार्टी की सभी शिकायतों को भी खारिज कर दिया।

ईवीएम में बैटरी की स्थिति के प्रदर्शन के बारे में पूरी तरह से बाहरी बातों को खारिज करते हुए, ईसीआई ने स्पष्ट किया कि बैटरी वोल्टेज और क्षमता का ईवीएम मतगणना संचालन और अखंडता से कोई प्रासंगिकता या संबंध नहीं है। कंट्रोल यूनिट पर बैटरी की स्थिति का प्रदर्शन पूरी तरह से तकनीकी टीमों को बिजली के स्तर की निगरानी करने में सहायता करने के लिए एक सुविधा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मतदान संचालन के दौरान उपकरण सुचारू रूप से काम करता है। आयोग ने कहा कि ऐसा कोई भी आरोप कि बैटरी का स्तर मतदान के परिणामों को प्रभावित करता है, हास्यास्पद है। फिर भी, ईसीआई ने अपनी वेबसाइट पर ईवीएम बैटरी पर विस्तृत FAQ जारी किया है, ताकि किसी भी वास्तविक प्रश्न का उत्तर दिया जा सके, जिसमें विश्वभर में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के बैटरी सेल, ईवीएम बैटरी में एल्कलाइन सेल का उपयोग, ईवीएम पावर पैक और मोबाइल फोन बैटरी में अंतर, ऑपरेटिंग वोल्टेज से स्वतंत्र ईवीएम की कार्यप्रणाली और विभिन्न आउटपुट वोल्टेज पर ईवीएम की कार्यप्रणाली तथा मतदान में पूरे दिन उपयोग के बाद भी कुछ सीयू में ईवीएम पावर पैक की स्थिति 99: क्यों दिखाई जाती है, आदि शामिल हैं।

बीजेपी सरकार को जनविरोधी – प्रियंका

वायनाड, एजेसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी केरल वायनाड लोकसभा उपचुनाव 2024 को लेकर जमकर प्रचार कर रही हैं। केंद्र पर अपना हमला जारी रखते हुए प्रियंका ने मोदी सरकार को जनविरोधी बताया। केरल के एंगपुझा में एक चुनाव अभियान को संबोधित करते हुए, कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने कहा, मोदी सरकार ने भारत के लोगों के प्रति सम्मान की कमी दिखाई है। इनकी नीतियां मुट्ठी भर धनी व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई हैं और किसानों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखाई गई है। सरकार को कोसते हुए उन्होंने आगे कहा, पूरे भारत में आदिवासी समुदाय और किसान लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं क्योंकि उनकी जरूरतों को पूरा करने के बजाय सरकार बड़ी कंपनियों को जमीन आवंटित कर रही है। इसी तरह, मोदी सरकार ने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक क्षेत्रों की अनदेखी की है। मंगलवार को अपने प्रचार के दूसरे दिन, प्रियंका ने दोहराया कि वायनाड उन्हें अपने घर जैसा लगता है। प्रचार के दौरान उन्होंने कहा, पहले ही पल, आपने मुझे स्वीकार कर लिया, मुझे अपने घर ले आए, मुझे मेरी मां के लिए एक माला दी। इसने मेरे दिल को छू लिया। उन्होंने वायनाड के लोगों की हमेशा सही के लिए खड़े होने के लिए प्रशंसा की और लोगों के बीच एकता की भावना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे हमेशा भाई–बहन की तरह रहते हैं, चाहे उनका धर्म कोई भी हो।

संपादकीय

आलोचना का सामना करना पड़ा

ब्रिटिश लोगों के बारे में एक बात जो हमें समझनी चाहिए वह यह है कि वे अपने पालतू जानवरों के बारे में बहुत चिंतित रहते हैं। और वे वास्तव में अपना प्यार और स्नेह दिखाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। इस प्रकार, लंदन के सबसे बड़े फूलों के शो में से एक – प्रसिद्ध चेल्सी फ्लावर शो – अगले साल अपना खुद का डॉग गार्डन बनाएगा। इसलिए – जबकि हममें से अधिकांश लोग चिंतित हैं कि हमारे कुत्ते सार्वजनिक फूलों के बिस्तरों में इधर–उधर भागते हुए और मल–मूत्र त्यागते हुए दुर्व्यवहार कर सकते हैं – यहाँ देश का सबसे परिष्कृत फूल शो वास्तव में कुत्तों के लिए स्वर्ग जैसा कुछ बना रहा है। गार्डनर वर्ल्ड नामक शो प्रस्तुत करने वाले मोंटी डॉन कुत्तों के लिए यह विशेष उद्यान डिजाइन कर रहे हैं, जहाँ वे विशेष पौधों और लंबी घास के बीच अप्रतिबंधित पहुँच का आनंद ले सकते हैं। डॉन जो अपने कुत्तों से बेहद प्यार करते हैं, कुत्तों के प्रति अपने स्नेह को व्यक्त करने के लिए चेल्सी फ्लावर शो का उपयोग कर रहे हैं। हालाँकि अब तक ऐसा प्रतीत होता है कि अगले साल केवल गाइड कुत्ते ही डॉग पार्क का उपयोग कर पाएँगे, और सामान्य पालतू जानवर वहाँ नहीं जा पाएँगे – कम से कम यह उम्मीद तो जगाता है कि विशेष डॉग पार्क के बारे में सोचा जा रहा है। हालांकि, मुझे यकीन नहीं है कि क्या सभी कुत्ते इन बाड़ों के अंदर एक–दूसरे के साथ मिलजुलकर रहेंगे। या वे पागलों की तरह भौंकेंगे और उत्साह में इसे तहस–नहस कर देंगे? इस बीच जो चीज निश्चित रूप से बर्बाद हुई है, वह है किंग चार्ल्स की ऑस्ट्रेलिया यात्रा। ऑस्ट्रेलियाई संसद में सीनेटर लिंडा थोरपे ने राजा (और इस तरह ब्रिटिश साम्राज्य) पर आदिवासियों के प्रति नरसंहार का आरोप लगाया, जबकि वह उनके राजा के रूप में उनकी संसद का दौरा कर रहे थे। ब्रिटिश मीडिया ने उन्हें चिल्लाते हुए दिखाया "हमें हमारी जमीन वापस दो। हमें वह दो जो तुमने हमसे चुराया है। हमारी हड्डियाँ, हमारी खोपड़ी, हमारे बच्चे" यह एक आश्चर्यजनक हमला था क्योंकि राजा आदिवासियों की बुद्धिमत्ता को स्वीकार करने और उनके अनुष्ठानों में भाग लेने की पूरी कोशिश कर रहे थे। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि राजा को इन आक्रोशित व्यक्तियों और भीड़ का सामना और भी अधिक करना होगा, क्योंकि एक पीढ़ी जो कभी साम्राज्य का हिस्सा नहीं रही थी, दुनिया भर में बड़ी हो रही है। हालाँकि, रॉयल्टी अभी भी ग्रेट ब्रिटेन के सबसे बड़े ब्रांडों में से एक है – और वे बड़ी संख्या में भीड़ को आकर्षित करते हैं। मुझे कहना होगा कि मैं इस भयानक घटना के बाद भी पूरी तरह से कठोर ऊपरी होंठ देख सकता था – राजा और रानी को ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों द्वारा जयकारे लगाए गए थे। मैंने उल्लेख किया कि ब्रिटिश अपने पालतू जानवरों और जानवरों से प्यार करते हैं – यहां तक घ्किक वे जो पूरी तरह से कल्पना में रहते हैं जैसे पैडिंगटन भालू। इस छोटे से पसंदीदा खिलौने ने पेरू में जीवन शुरू किया (या ऐसा किंवदंती है) और इसलिए वह यूके के सबसे प्यारे शरणार्थियों में से एक है। यह निश्चित रूप से चौंकाने वाला है – लेकिन इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि ब्रिटिश गृह कार्यालय ने उसे पासपोर्ट जारी कर दिया है! यह शरणार्थी को पासपोर्ट देने की वर्तमान नीति से एक बड़ा बदलाव है (उसे शायद रवांडा भेजा जाना चाहिए था) – लेकिन फिर निष्पक्ष रूप से, पैडिंगटन भालू लगभग 75 वर्षों से लोगों की किताबों की अलमारियों पर रह रहा है और बच्चों के बिस्तरों में सो रहा है। अब समय आ गया है कि उसे एक पहचान और एक देश मिले जिसे वह अपना कह सके! लेकिन ईमानदारी से – यह घोड़े हैं जो वास्तव में ब्रिटिश जीवन का एक बहुत ही खास हिस्सा हैं – और इसलिए आश्चर्यजनक रूप से एक शो जिसे हर कोई पसंद कर रहा है वह है राइवल्स। यह लोकप्रिय लेखिका जिली कूपर की एक किताब पर आधारित है। 80 के दशक में सेट – जब यूके एक बहुत ही घमंडी, टोरी देश था – यह शो कई लोगों को रोमांचित करता है। यह न केवल पुरानी यादें ताजा करता है – बल्कि यह हमें एक ऐसी दुनिया भी देता है जहाँ पुरुष पुरुष थे और महिलाएँ महिलाएँ थीं जो इन खूबसूरत पुरुषों के साथ बिस्तर पर कूदने के लिए उत्सुक थीं। और वे सभी घोड़ों की सवारी करते थे। इससे बेहतर क्या हो सकता है? शो की समीक्षा से कोई भी आश्चर्यचकित हो जाता है कि क्या यूके सॉफ्ट पोर्नोग्राफी देखकर सबसे ज्यादा खुश होता है – या यह सेक्स से ग्रस्त एक राष्ट्र है? या यह घोड़े हैं...? और, अंत में, अच्छी खबर यह है कि विन्सेंट वान गॉग की प्रदर्शनी, ष्कवि और प्रेमीष, अभी भी नेशनल गैलरी में चल रही है। मुझे बहुत चिंता थी कि मैं ष्सनफ्लावरष नहीं देख पाऊँगा, इससे पहले कि जलवायु परिवर्तन के और अधिक प्रदर्शनकारी इस पर और अधिक सूप फेंक दें। हालाँकि, यह बहुत अच्छी तरह से क्यूरेट की गई प्रदर्शनी – जिसमें कई अलग–अलग स्रोतों से ली गई उत्कृष्ट कृतियाँ हैं – बेहद दिलचस्प थी। अधिकांश कृतियाँ कलाकार द्वारा तब चित्रित की गई थीं जब वह फ्रांस में अपनी मानसिक बीमारी से जूझ रहा था। यह देखना दिलचस्प है कि वह अक्सर एक ही दृश्य को कई बार चित्रित करते थे, खासकर वह दृश्य जो उन्होंने शरण की खिड़की से देखा था – लेकिन रंग या परिप्रेक्ष्य बदल देते थे और तुरंत मूड बदल जाता था। यह प्रदर्शनी स्पष्ट रूप से उनके दर्द और पीड़ा को दर्शाती है।

अब सत्तावादी होने का एक नया तरीका

आदित्य

क्या डोनाल्ड ट्रम्प फासीवादी हैं? ट्रम्प के अधीन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के पूर्व अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ऐसा सोचते हैं। वे चेतावनी देते हैं कि ट्रम्प "पूरी तरह से फासीवादी" हैं।ट्रम्प के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जॉन केली भी इससे सहमत हैं। इस साल के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी इससे सहमत हैं।लेकिन इतिहास से जुड़े राजनीतिक टिप्पणीकार इतने आश्वस्त नहीं हैं।द गार्जियन में लिखते हुए सिडनी ब्लूमेंथल ने ट्रम्प को "हिटलरियन" और उनकी रैलियों को "नाजीवादी" कहा, लेकिन उन्हें फासीवादी कहने से पहले ही रुक गए। द न्यू रिपब्लिक के माइकल टॉमस्की आरक्षण को समझते हैं, लेकिन वे "फासीवादी" और सीधे–सादे "फासीवादी" के बीच के अंतर पर बहस करने में समय बर्बाद करने से थक गए हैं। "वह काफी करीब है," टॉमस्की लिखते हैं, "और हमें बेहतर होगा कि हम लड़ें" ।मैं इस तर्क को समझता हूँ। यही कारण है कि हैरिस ट्रम्प का वर्णन करने के लिए "फासीवादी" शब्द का उपयोग करती हैं – "अमेरिकी लोगों को 911 कॉल" भेजने के लिए। लेकिन एक समस्या है। मैंने पिछले छह साल अमेरिका में दक्षिणपंथी, सत्तावादी राजनीतिक संचार पर शोध करने में बिताए हैं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ

कि इस तरह के लेबल कैसे गलत साबित हो सकते हैं। उन्हें बहुत आसानी से उदारवादी उन्माद की तरह दिखाया जा सकता है, जो सीधे दक्षिणपंथियों के हाथों में खेल रहा है। व्लादिमीर पुतिन इस बात का खाका पेश करते हैं कि नया अधिनायकवाद कैसे काम करता है पुतिन के लिए ट्रम्प की प्रशंसा सार्वजनिक रिकॉर्ड का विषय है। स्टीव बैनन जैसे ट्रम्प के साथ प्रभावशाली दक्षिणपंथी विचारकों के लिए पुतिन इस बात का खाका पेश करते हैं कि नया अधिनायकवाद कैसे काम करता है। पुतिन जैसे सत्तावादियों को राज्य के माध्यम से शासन करना चाहिए, न कि लोगों के माध्यम से, क्योंकि, जैसा कि सामाजिक मनोवैज्ञानिक बॉब अल्टेमेयर बताते हैं, वे अंततः आबादी के एक छोटे से अल्पसंख्यक का प्रतिनिधित्व करते हैं। सैन्य तानाशाही सशस्त्र बलों के माध्यम से शासन करती है। 20वीं सदी के यूरोप के फासीवादी शासन अंततः पुलिस राज्य थे। वे अर्धसैनिक मृत्यु दस्तों को गुप्त पुलिस (गेस्टापो की तरह) और राज्य सुरक्षा (नाजी जर्मनी में एसएस) में बदलने पर निर्भर थे। हालाँकि, नए अधिनायकवादी सिविल सेवा को अपनी निजी राजनीतिक मशीनों में बदलकर शासन करते हैं। यही कारण है कि ट्रम्प ष्डीप स्टेटष से ग्रस्त हैं, जिसका अर्थ है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में सिविल सेवकों द्वारा बचाव किए जाने वाले अंतर्निहित कानूनी सुरक्षा उपाय हैं, जो संभावित रूप से कार्यकारी आदेशों को विफल कर सकते हैं। नई अधिनायकवादी रणनीति अपने प्रशासन में प्रमुख पदों पर राजनीतिक वफादारों के एक समूह को नियुक्त करना है, जो संस्थागत जाँच को दरकिनार कर सकते हैं। लेकिन यह कोई आसान बात नहीं है। यदि ट्रम्प चुने जाते हैं, तो उन्होंने डीप स्टेट को कुचलने की कसम खाई है, उदाहरण के लिए, हजारों गैर–राजनीतिक सिविल सेवा कर्मचारियों को हटाकर। इसके हिस्से के रूप में, उन्होंने उन लोगों को दंडित करने के लिए एक सत्य और सुलह आयोग स्थापित करने का संकल्प लिया है, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि उन्होंने अतीत में उनका विरोध किया था। डोनाल्ड ट्रम्प इस नई अधिनायकवादी रणनीति का अनुसरण करते हैं अधिनायकवादी शासन की नींव रखने के लिए वे ये तीन कदम उठा रहे हैंरू 1) चुनावी अखंडता को कमजोर करना नए अधिनायकवाद की पहली कुंजीरू चुनावी अखंडता को कमजोर करके लोकतंत्र को नष्ट करना। यहाँ अग्नि परीक्षा? सत्तावादी तब चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करते जब विपक्ष जीत जाता है। जैसा कि ट्रम्प ने बहुत ही स्पष्ट रूप से कहा है, ष्मैं चुनाव को नकारने वाला एक बहुत ही गर्वित व्यक्ति हूँ। इस संबंध में ट्रम्प का पहला कदम रिपब्लिकन पार्टी पर कब्जा करना था। उन्होंने ऐसा करने के लिए चुनाव को नकारने का इस्तेमाल किया, साथ ही अपने विरोधियों को हाशिए पर धकेल दिया। ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी अब एक अल्पसंख्यक पार्टी है, जो श्वेत शिकायतों, अप्रवासियों के प्रति आक्रोश और लोकतंत्र विरोधी विचार पर केंद्रित है कि देश को एक कंपनी की तरह चलाया जाना चाहिए। अल्पसंख्यक पार्टी के रूप में सरकार जीतने की इसकी एकमात्र उम्मीद अपने विरोधियों के वोट को दबाने की कोशिश करना है। ऐसा करने के लिए, ट्रम्प समर्थक रिपब्लिकन राज्यों ने मतदान को और अधिक कठिन बनाने के लिए 2020 से कई कानून पारित किए हैं। इन राज्यों ने भी आक्रामक रूप से लोगों को मतदाता सूची से हटा दिया है। अकेले टेक्सास ने 2021 से अपने मतदाता सूची से एक मिलियन मतदाताओं को हटा दिया है, जिनमें से केवल 6,500 को गैर–नागरिक माना गया था। अगर ट्रम्प जीतते हैं, तो वे लोगों के लिए मतदान करना और भी कठिन बना देंगे। नागरिक अधिकार समूहों को डर है कि वह जनगणना में नागरिकता संबंधी प्रश्न पेश कर सकते हैं, न्याय विभाग का उपयोग करके मतदाता सूचियों की व्यापक सफाई कर सकते हैं, और चुनाव अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक जांच शुरू कर सकते हैं। एक बैकअप के रूप में, ट्रम्प संभवतः 2016 के चुनाव में कथित मतदाता धोखाधड़ी के अपने दावों को सही ठहराने और अपने चुनाव इनकारवाद कथा का समर्थन करने के लिए 2017 में स्थापित ष्चुनाव अखंडता आयोगष को पुनर्जीवित करेंगे। 2) विधायी और न्यायिक शाखाओं को कमजोर करना नए अधिनायकवाद की दूसरी कुंजी– सरकार की विधायी शाखा के जाँच–और–संतुलन कार्य को दरकिनार करना। यहाँ लक्ष्य कार्यकारी फिएट द्वारा शासन करना या ढेर किए गए विधायी बहुमत के माध्यम से शासन करना है।नए अधिनायकवादी अक्सर आपातकालीन शक्तियों के उपयोग सहित कार्यकारी आदेशों के माध्यम से शासन करते हैं। उदाहरण के लिए, ट्रम्प ने एक परिदृश्य की परिकल्पना की है जिसमें एक रिपब्लिकन कांग्रेस राज्य के राज्यपाल के अधिकार को पलटने के लिए राष्ट्रपति को सशक्त बनाने के लिए आपातकालीन शक्तियों को लागू कर सकती है।

सभी प्रजातियों की देखभाल न्यायपूर्ण परिवर्तन की कुंजी

विनोद

दुनिया भर के समुदाय दो बदतर संकटों का सामना कर रहे हैंरू एक जलवायु संकट और दूसरा देखभाल संकट। जलवायु संकट पर साक्ष्य और तात्कालिकता को जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल (आईपीसीसी) द्वारा विशेषज्ञतापूर्वक चित्रित किया गया है। इस संकट का मूल कारण वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि है। यह जीवाश्म ईंधन, वनों की कटाई और औद्योगिक प्रक्रियाओं के अत्यधिक दोहन के कारण है। संक्षेप में, यह उन विकास प्रक्रियाओं का परिणाम है जो पर्यावरण की देखभाल पर आधारित नहीं हैं। देखभाल संकट पर कम चर्चा की जाती है। यह घरों में आजीविका बनाए रखने, बच्चों की परवरिश करने और समुदायों को बनाए रखने की समाज की क्षमता को संदर्भित करता है। संक्षेप में, देखभाल संकट एक–दूसरे की देखभाल में पर्याप्त निवेश नहीं करने का परिणाम है। इन संकटों को संबोधित करने के लिए लोगों, अन्य प्रजातियों और भौतिक पर्यावरण की परस्पर निर्भरता को स्वीकार करने की आवश्यकता है। एक–दूसरे, अन्य प्रजातियों और हमारे पर्यावरण की देखभाल में पर्याप्त निवेश करने में हमारी विफलता जलवायु परिवर्तन का मूल कारण है। हम इसे देखभाल–जलवायु संबंध कहते हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे–जैसे तीव्र होते जाएंगे, हमें पहले से कहीं अधिक एक–दूसरे की देखभाल करने की आवश्यकता होगी, और हमें अपने पर्यावरण की बेहतर देखभाल करने के लिए प्रणालियों की आवश्यकता होगी। लिंग और जलवायु परिवर्तन को जोड़ने पर चर्चा बढ़ रही है। हालाँकि, जलवायु परिवर्तन और देखभाल के बीच संबंधों पर काफी हद तक कम शोध किया गया है। जलवायु संकट, देखभाल संकट की तरह ही, एक आर्थिक प्रतिमान से उपजा है जो देखभाल को कम महत्व देता है – एक–दूसरे के लिए और हमारे भौतिक पर्यावरण के लिए। इसलिए देखभाल की अवधारणा जलवायु चुनौती को समझने और एक स्थायी और न्यायसंगत भविष्य की दिशा में नीतियों के लिए एक शक्तिशाली केंद्र बिंदु के रूप में काम कर सकती है। यह वह अंतर है जिसे दक्षिणी असमानता अध्ययन केंद्र के नेतृत्व में देखभाल– जलवायु संबंध परियोजना, अंतर्राष्ट्रीय विकास अनुसंधान केंद्र और दुनिया भर के नारीवादी अर्थशास्त्रियों और जलवायु वैज्ञानिकों के एक समूह के सहयोग से भरने की योजना बना रही है। शोध परियोजना के दो मुख्य उद्देश्य हैं। पहला, जलवायु परिवर्तन और देखभाल के बीच वैचारिक संबंधों का मानचित्रण करना। दूसरा, जलवायु नीति में देखभाल को शामिल करने के लिए नीति निर्माताओं को सूचित करना और उनका समर्थन करना। उदाहरण के लिए, जलवायु अनुकूलन का समर्थन करने वाली गुणवत्तापूर्ण देखभाल में महत्वपूर्ण निवेश लचीले बुनियादी ढांचे के निर्माण जितना ही महत्वपूर्ण है और इससे देखभाल कार्य करने वालों पर बोझ कम हो सकता है। जलवायु नीति जो देखभाल पर केंद्रित नहीं है, संरचनात्मक असमानताओं को दोहराने या यहां तक कि उन्हें बढ़ाने का जोखिम उठाती है। देखभाल और प्रकृति को कम आंकना जलवायु और देखभाल संकट दो चीजों – प्रकृति और देखभाल कार्य – के कम आंकलन के परिणाम स्वरूप हुए हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जैसे संकेतक प्राकृतिक संसाधनों के असंवहनीय दोहन को महत्व देते हैं और पुरस्कृत करते हैं। प्राकृतिक पर्यावरण को बहुत कम – या बिल्कुल भी महत्व नहीं दिया जाता है। इसके परिणाम भयानक साबित हो रहे हैं।

कच्चे माल और प्राकृतिक संसाधनों का निरंतर दोहन पर्यावरण की कीमत पर हुआ है। प्रकृति के कम आंकलन के कारण प्रदूषण, आवासों का नुकसान, प्रजातियों का विलुप्त होना और जैव विविधता में गिरावट आई है। जलवायु परिवर्तन कई अन्य प्रभावों के अलावा खाद्य सुरक्षा, जल उपलब्धता, स्वास्थ्य और आजीविका के लिए खतरा पैदा करता है। भोजन उपलब्ध कराना, पानी इकट्ठा करना और युवा, बीमार और बुजुर्गों की देखभाल जैसे अवैतनिक या कम भुगतान वाले कार्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से और अधिक कठिन हो जाएंगे। जैसा कि हमने ऊपर दिखाया है, ये कार्य अक्सर, लेकिन विशेष रूप से नहीं, महिलाओं द्वारा किए जाते हैं। वैश्विक उत्तर में इस कार्य को महिला अप्रवासियों और श्रमिक वर्ग को आउटसोर्स करने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है। जलवायु नीति में देखभाल को शामिल करना मनुष्यों के लिए पर्यावरण के क्षय के बजाय इसके पुनर्जनन में योगदान देना संभव है। लेकिन इसके लिए पुनर्विचार की आवश्यकता हैरू हम क्या महत्व देते हैं और क्या यह हमारी वर्तमान आर्थिक प्रणालियों और नीतियों में दर्शाया गया है। देखभाल–जलवायु संबंध वैचारिक ढाँचा दो प्रमुख तर्क देता है एक है देखभाल के व्यापक दृष्टिकोण के लिए जो व्यक्ति–से–व्यक्ति देखभाल से परे पर्यावरण की देखभाल को शामिल करता है। जलवायु संकट का जवाब देने में देखभाल को केंद्रित करने के लिए देखभाल के विविध अर्थों और अभिव्यक्तियों को समझना आवश्यक है, जिसमें वैश्विक दक्षिण से विभिन्न संदर्भों में देखभाल की समझ शामिल है। दूसरा, देखभाल न केवल एक व्यावहारिक चिंता है, बल्कि एक नैतिक और राजनीतिक चिंता भी है। इसमें यह पहचानना शामिल है कि हम अपनी दुनिया को बनाए रखने, जारी रखने और सुधारने के लिए जो कुछ भी करते हैं वह पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण है। देखभाल और जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने का मतलब है परस्पर जुड़ी सामाजिक–आर्थिक चुनौतियों को समझना और उनका समाधान करना। इनमें शामिल हैं देखभाल के प्रावधान पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेत मजदूरों के अधिकारों की सुरक्षाय देखभाल के प्रावधान पर सार्वजनिक और सामाजिक सेवाओं के निजीकरण का प्रभावय वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा जैसी देखभाल सेवाओं का बढ़ता निजीकरण और इन महत्वपूर्ण सेवाओं पर सार्वजनिक व्यय में कटौतीय इस तथ्य को संबोधित करना कि देखभाल का काम घरेलू काम से परे है और इसमें शामिल हैं।

पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष में कूटनीति को मौका देना

ललित

ईरान द्वारा इजरायल पर मिसाइलों की बौछार करने के तीन सप्ताह से अधिक समय बाद, पिछले शनिवार को भूमिकाएँ उलट गईं। इजरायल ने ईरान पर मिसाइलों की बौछार की, सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया और कम से कम चार सैनिकों को मार डाला। हमले के ठीक बाद, इजरायल ने संकेत दिया कि उसने जो बदला लेना चाहा था, वह उसे मिल गया है। ईरान ने हमले के प्रभाव को कम करके आंका, यह दावा करते हुए कि उसके मिसाइल रक्षा प्रणालियों ने आने वाले अधिकांश इजरायली रॉकेटों को मार गिराया है। दोनों पक्षों की ये प्रतिक्रियाएँ फिलहाल आगे की वृद्धि से बचने की इच्छा का संकेत देती हैं यह क्षेत्र और दुनिया के लिए एक स्वागत योग्य विकास होगा, जो इजरायल द्वारा ईरान पर हमला करने की प्रतीक्षा कर रहे थे, जैसा कि उसने वादा किया था। इजरायल ने ईरान की परमाणु या तेल सुविधाओं, तेहरान की बेशकीमती रणनीतिक संपत्तियों पर बमबारी करने से परहेज किया। फिर भी, इनमें से कोई भी इजरायल और ईरान के बीच या वास्तव में, उनके साझा पड़ोस में तनाव में किसी भी व्यापक कमी का संकेत नहीं देता है। जिस दिन उसने ईरान पर हमला किया, उसी दिन इजराइल ने इराक और सीरिया में भी हमला किया, लेबनान पर लगातार बमबारी जारी रखी और निश्चित रूप से, गाजा में मारे गए लोगों की संख्या में इजाफा किया, जो अब 42,000 से ज्यादा है। लेबनानी सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह ने इजराइल पर मिसाइलें दागना जारी रखा है।

और जबकि इजराइल की बेजोड़ मिसाइल रक्षा प्रणाली, आयरन डोम, ज्यादातर रॉकेटों को मार गिराती है, फिर भी देश अभी भी कमजोर है। रविवार को, एक ट्रक ने इजराइली सैन्य अड्डे के पास एक बस स्टॉप को टक्कर मार दी, जिसमें दर्जनों लोग घायल हो गए। हिंसा के इस बढ़ते चक्र को रोकने के लिए, मध्य पूर्व में संघर्ष में शामिल सभी पक्षों को एक कदम पीछे हटना चाहिए और कूटनीति को एक मौका देना चाहिए। इजराइली प्रधान मंत्री, बेंजामिन नेतन्याहू, युद्ध को बार–बार बढ़ाने और युद्धविराम समझौतों को लगातार टालने के लिए जिम्मेदार हैं, जो वर्तमान में गाजा में बंद दर्जनों इजराइली बंधकों को रिहा करने में सक्षम हो सकते थे और घिरे हुए फिलिस्तीनी एन्क्लेव में तबाही को रोक सकते थे। दोहा में शांति वार्ता फिर से शुरू होने के साथ, श्री नेतन्याहू के पास इजरायल और दुनिया को यह दिखाने का एक और मौका है कि वह किसी भी कीमत पर युद्ध को लंबा नहीं खींचना चाहते हैं, जैसा कि उनके आलोचकों – इजरायल और दुनिया भर में – ने दावा किया है।

चीन के साथ अपने बढ़ते घाटे को कम करना

संजय

नीतिगत मामलों पर सरकार के भीतर मतभेद लोकतंत्र में आम बात है। फिर भी, कई कारणों से, नरेंद्र मोदी सरकार के भीतर इस तरह के आंतरिक मतभेद हमेशा सार्वजनिक नहीं हुए हैं। नई दिल्ली के कॉकटेल सर्किट ने अक्सर इस तरह के आंतरिक मतभेदों के बारे में गपशप की है, लेकिन एक शांत मीडिया ने शायद ही कभी उन्हें सार्वजनिक रूप से उजागर किया हो। इसलिए, यह देखना दिलचस्प है कि भारत में चीनी निवेश की अनुमति देने के सवाल ने सरकार के भीतर कुछ मतभेदों को सार्वजनिक रूप से सामने ला दिया है। लंबे समय से एक नीरस और शब्दाडंबरपूर्ण दस्तावेज माने जाने वाले भारत सरकार के वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को हवा दी। जबकि केंद्रीय वित्त मंत्रालय इको सर्वेक्षण तैयार करता है और प्रकाशित करता है, यह दस्तावेज पूरी तरह से सरकार का है। दशकों से, सर्वेक्षण को केवल अर्थशास्त्रियों और आर्थिक पत्रकारों द्वारा डेटा के स्रोत के रूप में और कभी–कभी नीति के शुरुआती संकेतक के रूप में पढ़ा जाता रहा है। पिछले एक दशक में, सर्वेक्षण ने अकादमिक अन्वेषण की ओर रुख किया, जिसमें तीन क्रमिक मुख्य आर्थिक सलाहकारों (दस्तावेज के मुख्य लेखक) ने अपनी अकादमिक क्षमता का प्रदर्शन किया। वर्तमान सीईए, डॉ. वी. अनंत–नागेश्वरन, जो कि एक उच्च योग्य और प्रतिभाशाली अर्थशास्त्री हैं और जिनके पास कई वर्षों का अंतर्राष्ट्रीय अनुभव है, ने अकादमिक विश्लेषण को नीतिगत सुझावों के साथ मिलाकर एक नया मुद्दा खड़ा कर दिया है। सर्वेक्षण में जिस एक नीतिगत मुद्दे को संबोधित करने का प्रयास किया गया, वह यह है कि भारत चीन के साथ अपने बढ़ते और विशाल व्यापार घाटे को कम करने के लिए कैसे कदम उठा सकता है। सीईए द्वारा पूछा गया प्रश्न सरल था। आपूर्ति श्रृंखला लिंक को पुनर्संतुलित करते हुए, "चीन–प्लस–वन" व्यापार और निवेश रणनीति को अपनाने वाले देशों की वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय प्रवृत्ति को देखते हुए, क्या चीन की आपूर्ति श्रृंखला में खुद को शामिल किए बिना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल करना संभव है? सर्वेक्षण में एक सुझाव दिया गया। "चीन प्लस वन दृष्टिकोण से लाभ उठाने के लिए एक रणनीति के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को चुनना व्यापार पर निर्भर रहने की तुलना में अधिक फायदेमंद प्रतीत होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चीन भारत का शीर्ष आयात भागीदार है, और चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ रहा है। चूंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप चीन से अपनी तत्काल सोर्सिंग हटा रहे हैं, इसलिए चीनी कंपनियों द्वारा भारत में निवेश करना और फिर इन बाजारों में उत्पादों का निर्यात करना अधिक प्रभावी है, बजाय इसके कि वे चीन से आयात करें, न्यूनतम मूल्य जोड़ें और फिर उन्हें फिर से निर्यात करें। सर्वेक्षण ने एक सुझाव दियारू ष्चीन प्लस वन दृष्टिकोण से लाभ उठाने की रणनीति के रूप में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश चुनना व्यापार पर निर्भर रहने की तुलना में अधिक फायदेमंद प्रतीत होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चीन भारत का शीर्ष आयात भागीदार है और चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ रहा है। चूंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप चीन से अपनी तत्काल सोर्सिंग हटा रहे हैं, इसलिए चीनी कंपनियों द्वारा भारत में निवेश करना और फिर इन बाजारों में उत्पादों का निर्यात करना अधिक प्रभावी है, बजाय इसके कि वे चीन से आयात करें, न्यूनतम मूल्य जोड़ें और फिर उन्हें फिर से निर्यात करें।ष चीन में एक पूर्व भारतीय राजदूत ने एक अखबार के कॉलम में शिकायत की कि सीईए ने सरकार के भीतर मतभेदों को सार्वजनिक रूप से उजागर करने की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाया है। उन्होंने तर्क दिया कि वित्त मंत्रालय को सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों से जांच करनी चाहिए थी कि क्या इस विचार को आधिकारिक दस्तावेज में स्पष्ट रूप से बताना उचित था। मीडिया में बाद में आई टिप्पणियों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पड़ोसी देशों से आने वाले विदेशी निवेश से संबंधित प्रेस नोट 3 में संशोधन के मुद्दे पर राष्ट्रीय सुरक्षा के रखवालों का दृष्टिकोण आर्थिक नीति के रखवालों से भिन्न प्रतीत होता है। ऐसा प्रतीत होता है कि सीईए ने बिल्लियों के बीच कबूतर छोड़ दिया है। सबसे पहले, अगर दुनिया और चीन को पता चले कि सरकार के भीतर इस मुद्दे पर गंभीरता से बहस हो रही है तो कोई नुकसान नहीं है। सभी लोकतंत्रों में इस तरह के आंतरिक नीतिगत मतभेद, यहां तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मतभेद भी, काफी खुले तौर पर चर्चा में रहते हैं। विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के कार्यालय का राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई एकाधिकार नहीं है। प्रधानमंत्री को अपने विचारों को वित्त मंत्रालय और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय के विचारों के साथ संतुलित करने का अधिकार है। आर्थिक नीति हमेशा से भारत में सार्वजनिक बहस और चर्चा का विषय रही है। कर, व्यापार और निवेश नीति जैसे व्यापक मुद्दों पर एक के बाद एक सरकारों ने सरकार के बाहर के विशेषज्ञों को शामिल किया है। चीन के संदर्भ में भारत की व्यापार और निवेश नीति क्या होनी चाहिए, इस पर व्यापक बहस सरकार के भीतर और बाहर दोनों जगह चर्चा का विषय होनी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मुद्दा यह सवाल उठाता है कि वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा क्या है। क्या सीमा पर क्षेत्र की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का सार है? क्या आर्थिक विकास को बनाए रखने, निवेश और निर्यात को बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों को अपनाना उतना ही महत्वपूर्ण नहीं माना जाना चाहिए। क्या सीमा मुद्दे का समाधान अकेले उन सभी आर्थिक विचारों को दरकिनार कर देना चाहिए जिनका उद्देश्य अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है? आर्थिक विकास की नींव कहाँ होती है? महान तेलुगु लेखक गुरजादा अप्पा राव के शब्दों में, "देशम अन्ते मति कदोई, देशम अन्ते मानुषुलोई" (एक राष्ट्र उसका भूभाग नहीं बल्कि उसके लोग होते हैं)।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रेस/मीडिया मीट का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रेस/मीडिया मीट का आयोजन होटल सॉवी ग्रांड, गोमती नगर में किया गया। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो के वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख,सुधीर बिश्नोई ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा संचालित बी आई एस प्रमाणीकरण योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि एक राष्ट्रीय निकाय होने के कारण भारतीय मानक ब्यूरो की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह मानकों के निर्माण के साथ साथ उनका अनुपालन भी सुनिश्चित करे। ब्यूरो द्वारा अब तक 20000 से ज्यादा मानकों का निर्माण किया जा चुका है। ये प्रमाणीकरण योजना अनिवार्य एवं स्वैच्छिक प्रकृति की है। कुछ उत्पाद जो स्वास्थ एवं सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत आते हैं जैसे प्रेशर कुकर, गैस चूल्हा, सीमेंट, पानी, आदि इनके साथ साथ अभी हाल ही में प्लाईवुड एवं घरेलू उपयोग में आने वाले 85 बिजली के उत्पादों को अनिवार्य प्रमाणीकरण योजना में लाया गया है जैसे, वैक्यूम क्लीनर, हेयर ड्रायर, इलैक्टिक केतली, काफी मेकर, कुकिंग रेंज, इलैक्ट्रिक शेवर्स आदि जिन्हें आई एस आई मार्क के बिना बनाया नहीं जा सकता है। एवं शेष उत्पाद स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अन्तर्गत आते हैं। प्रमाणीकरण के माध्यम से विभिन्न उदयोगों को एक सुनिश्चित प्रक्रिया के तहत लाइसेंस प्रदान किया जाता है। तथा समय समय पर उनके यहां निरीक्षण एवं बाजारी नमूनों को बाजार से खरीदकर रिकगनाइज्ड लैब में जांच करायी जाती है। एवं यह सुनिश्चित किया जाता है कि उपभोक्ता को उच्च गुणवत्ता का उत्पाद प्राप्त हो। इसी के साथ वर्तमान में ब्यूरो की हालमार्किंग योजना के माध्यम से स्वर्ण आभूषणों पर हालमार्क लगाया जाता है। यदि ग्राहक सावधानी पूर्वक हालमार्क आभूषण खरीदता है तो वह अपने पूरे मूल्य का सोना प्राप्त कर सकता है एवं किसी भी प्रकार की ठगी से बच सकता है।

भारतीय मानक ब्यूरो ने डिजटलाइजेशन के इस दौर में उपभोक्ताओं के लिए बी आई एस केयर एप जिसे प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है के बारे में बताया। इस एप पर ग्राहक कोई भी आई एस आई मार्क उत्पाद या हालमार्क उत्पाद खरीदते समय ये चौक कर सकता है कि उसके द्वारा खरीदा जाने वाला उत्पाद सही है। साथ ही इसी एप पर ग्राहक किसी भी प्रमाणित उत्पाद को अधोमानक पाये जाने पर शिकायत भी कर सकता है।

श्री बिश्नोई ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो उदयोगों को लाइसेंस के माध्यम से रेगुलेट तो करता ही है साथ ही वह उपभोक्ताओं को जागरूक एवं जानकार बनाकर उन्हें सशक्त बनाये जाने के लिए भी संकल्पबद्ध है। इसी उपभोक्ता जागरूकता मिशन के तहत उत्तर प्रदेश के 45 जिलो में अब तक 41000 से ज्यादा ग्राम पंचायतो में प्रधानों एवं सचिवों को संवेदीकरण कार्यक्रमो के माध्यम से सक्षम बनाया जा रहा है ताकि ग्रामीण स्तर पर होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को वे परख सके। साथ ही विभिन्न इंटर कालेजो, पालीटैक्निकों, इंजीनियरिंग संस्थानों में भी छात्रों एवं छात्राओं को मानक क्लब बनाकर अधिक जानकार एवं मानकों के प्रति आरम्भ से ही शिक्षित करने की मुहिम के चलते अब तक उत्तर प्रदेश में ऐसे 300 से ज्यादा मानक क्लब बनाये जा चुके है उन्होंने यह भी बताया ब्यूरो राज्य स्तरीय समिति की बैठकों के माध्यम से विभिन्न राजकीय विभागों के साथ मानकों के अनुपालन में आने वाली बाधाओ एवं उनके निराकरण के लिए भी सक्रिय रहता है। विभिन्न एन जी ओ एवं स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से घर घर एवं गांव गांव तक हर नागरिक तक मानको के प्रति रूचि एवं सूचना पहुंचाकर उपभोक्ता सशक्तिकरण में रत है क्योंकि देश के निर्माण एवं विकास में एक जागरूक उपभोक्ता महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करता है।

स्टैण्डर्ड कान्क्लेव के माध्यम से विभिन्न उदयोग संगठनों के साथ मिलकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। समय समय पर लाइसेंसियों के साथ बैठक करके उनके कार्यो में आने वाली समस्याओं एवं समाधान पर भी विमर्श किया जाता है। इसके अतिरिक्त होर्डिंग, एल ई डी डिप्ले, रेडियो टी वी, रेलवे स्टेशनों, समाचार पत्रों, नुक्कड नाटकों, ज्वैलर्स जागरूकता कार्यक्रमों, उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों आदि के माध्यम से भी ब्यूरो समाज के हर ग्रामीण एवं शहरी उपभोक्ता को जागरूक एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर कृतसंकल्प है। पिछले कुछ वर्षो से विश्व के संसाधनों को सुरक्षित एवं संरक्षित करने में एवं आइ एस ओ द्वारा सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स को अचीव करने में उद्योगों के द्वारा किये जा रहे प्रयासों की चर्चा की एवं मानकीकरण के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के दुरूपयोग को रोकने एवं संसाधनों के संरक्षण की संभावनाओ पर भी चर्चा की।

उन्होंने पत्रकारों द्वारा पूछे गये सवालो का जवाब दिया एवं सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एस डी जी 9 के लक्ष्य को प्राप्त करने एवं गुणवत्ता मिशन को सफल बनाने के लिए समाज के हर नागरिक तक जानकारी पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की उन्होंने कहा जागरूक उपभोक्ता सशक्त उपभोक्ता के लक्ष्य को प्राप्त करने मीडिया के विशेष सहयोग की आवश्यकता है।

बिना पटाखों की दिवाली मनाएंगे छात्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, विराज खंड के विद्यार्थियों ने लिया प्रण, पर्यावरण संरक्षण के लिए, बिना पटाखों की दिवाली मनाएंगे। विद्यालय में दीपावली के उपलक्ष्य में एक विशेष आयोजन किया गया जिसने नन्हें मुन्ने छात्रों ने कविता, नृत्य व गायन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने सभी से हरित दीपावली मनाने का आग्रह किया तथा स्वयं पटाखे न जलाने का भी प्रण लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रचना मिश्रा जी ने छात्रों के इस विचार का समर्थन किया तथा उनके अनुपम प्रदर्शन के लिए उनकी भूरि भूरि प्रशंसा की, इसके साथ ही सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दी।

फिनिक्स पलासियो मॉल लेकर आया दिवाली धमाका

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। फिनिक्स पलासियो मॉल दिवाली और धनतेरस के अवसर को खास बनाने के लिए अलग अलग ऑफर्स लेकर आया है। धनतेरस के शुभ अवसर पर ग्राहकों ने जीता 20 ग्राम तक का चाँदी का सिक्का। साथ ही 31 अक्टूबर तक फिनिक्स पलासियो से जो भी ग्राहक रू 1 लाख की खरीदारी करते हैं उन्हें रू 10,000 तक के निश्चित उपहार मिलेंगे। रू 3 लाख की खरीदारी करने वाले ग्राहक रू 30,000 तक के निश्चित उपहार प्राप्त करेंगे। रू10 लाख की खरीदारी करने वाले ग्राहक आईफोन या पीएस 5 जीत सकते हैं। यह सारे ऑफर्स 31 अक्टूबर तक मान्य रहेंगे। फिनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने बताया, दीपावली की खुशियों को बढ़ाने के लिए फिनिक्स पलासियो मॉल को विशेष रूप से सजाया गया है। दिवाली की खूबसूरत झलक इसकी सजावट में बखूबी देखने को मिल रही है। धनतेरस पर ग्राहकों ने रिकॉर्ड खरीदारी के साथ अब हम ग्राहकों के लिए दिवाली को और भी खास बनाना चाहते है।

तेल चोरी में करते टैंकर पकड़ा, दो हिरासत में

गोरखपुर, संवाददाता। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के गोरखपुर फोरलेन पर देवीपुर गांव में पुलिस ने तेल चोरी का मामला पकड़ा है। पुलिस ने एक टैंकर, पेट्रोल व अन्य उपकरण बरामद किया और मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया। थानेदार संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में फोर्स को सूचना मिली कि देवीपुर में टैंकर से तेल की चोरी की जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा। इस दौरान दो युवक भी पकड़े गए। पुलिस ने एक टैंकर, बाल्टी में रखा करीब 10 लीटर पेट्रोल, पांच लीटर तेल माप की कूपी सहित अन्य उपकरण बरामद किया। पुलिस टैंकर को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई है। थानेदार संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

निजी अस्पताल में मारपीट, डाक्टर समेत 15 पर केस

कुशीनगर, संवाददाता। एक निजी अस्पताल में आंख की जांच कराने आये मरीज की डॉक्टर ने सहयोगियों के साथ मिलकर पिटाई कर दी। मरीज का आरोप है कि डॉक्टर से डिग्री पूछे जाने के बाद वह आग बबूला हो गए और मारपीट करने लगे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। मरीज ने एसपी संतोष मिश्रा को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। एसपी के निर्देश पर आरोपी डॉक्टर समेत 15 अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पटहेरवा थाना क्षेत्र के पगरा पड़री निवासी अखिलेश दास गुप्ता ने एसपी को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह आंख का इलाज करने विशुनपुरा थाना क्षेत्र के गोड़रिया बाजार के एक निजी अस्पताल में 17 अक्तूबर को गए थे। वहां पता चला कि डॉ. पंकज कुमार के पास कोई डिग्री नहीं है। डिग्री को लेकर सवाल पूछने पर डॉक्टर आग बबूला हो गए और 15 सहयोगियों के साथ मिलकर मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। पीड़ित ने बताया कि सिर में गंभीर चोट से वे अचेत हो गए। मौजूद लोगों ने उन्हें दुदही सीएचसी पहुंचाया। इलाज के बाद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग भी की। मारपीट से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंस्पेक्टर रामसहाय चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर डॉ. पंकज व 15 अज्ञात पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

छात्राओं को जबरन रोक शोहदों ने बनाया वीडियो, विरोध पर घर वालों को पीटा

कुशीनगर, संवाददाता। स्कूल से घर जाते समय स्कूटी सवार छात्राओं को हाईवे पर रोककर बाइक सवार शोहदों ने छेड़खानी की और वीडियो बनाने लगे। एक छात्रा ने परिजनों को फोन कर दिया। मौके पर पहुंचे घर वालों ने विरोध किया तो उनकी पिटाई कर दी। शोर मचाने पर पहुंचे लोगों ने शोहदों की धुनाई कर एक को दबोच लिया। बाकी भाग निकले। पुलिस ने एक शोहदे को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हाटा कोतवाली के एक गांव की रहने वाली चार छात्राएं सोनबरसा के एक विद्यालय में पढ़ती हैं। सोमवार को छुट्टी होने के बाद दो स्कूटी से चार छात्राएं घर आ रही थीं। स्कूल से ही तीन बाइक पर सवार सात युवक पीछा करने लगे। रास्ते में बाइक लहराते हुए फब्तियां कसने के साथ–साथ चलती स्कूटी पर छेड़खानी भी कर रहे थे। सुकरौली कस्बे के समीप पहुंचने पर रास्ते में जबरन छात्राओं को युवक रोक लिए और छींटाकशी करने लगे, इसमें एक युवक वीडियो बनाने लगा। घर वालों को फोन कर छात्राओं ने इसकी जानकारी दी। घर वाले बाइक से पहुंचे तो छात्राएं रो रो कर अपनी बात कहने लगीं। कारण पूछने पर शोहदों ने घर वालों की पिटाई करने लगे।

एसडीएम सवायजपुर ने सीओ शाहाबाद के साथ आतिशबाजी की दुकानों का किया निरीक्षण

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
पाली –(हरदोई) कस्बे के रामलीला मैदान में लगी आतिशबाजी की दुकानों का सवायजपुर एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि ने मंगलवार को निरीक्षण किया और अग्नि सुरक्षा के प्रबंध रखने के सख्त निर्देश दिए। एसडीम ने आसपास लगी अन्य दुकानों को हटवाने का भी निर्देश दिया।

विदित हो कि पाली कस्बे के रामलीला मैदान में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी आतिशबाजी की दुकानें लगाई गयी हैं, जिसको लेकर मंगलवार को एसडीएम सवायजपुर संजय कुमार अग्रहरि ने सीओ शाहाबाद अनुज मिश्रा व स्थानीय पुलिस फोर्स के साथ आतिशबाजी की दुकानों का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां अग्नि सुरक्षा के बेहतर प्रबंध न होने पर एसडीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी दुकानदारों को अपनी–अपनी दुकानों के पास आग से बचाव के प्रबंध करने का निर्देश दिया तथा नगर पंचायत के कर्मचारियों को पानी का टैंकर खड़ा करने तथा साथ ही सभी दुकानदारों को अपनी–अपनी दुकान के पास पानी से भरा ड्रम रखने का भी निर्देश दिया। एसडीएम ने सीओ अनुज मिश्रा व प्रभारी निरीक्षक रमेश चंद्र पाण्डेय को आतिशबाजी की दुकानों के पास मैदान में लगी अन्य दुकानों को हटवाने का भी निर्देश दिया। एसडीएम संजय कुमार अग्रहरि ने ईओ पाली को निर्देश दिया की आतिशबाजी की दुकानों के आसपास बैरिकेडिंग कराकर लोगों को आतिशबाजी की दुकानों पर पहुँचने के लिए एक ही रास्ता बनाया जाए। हर तरफ से आवागमन को बंद कराया जाए। उन्होंने कहा कि आतिशबाजी की दुकानों के पास खड़े वाहनों को भी हटवाया जाए। एसडीएम ने बताया कि अगले वर्ष आतिशबाजी की दुकानें कस्बे के बाहर कहीं मैदान में लगवाई जाएंगी।

लोनी चीनी मिल के पेराई सत्र का राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने किया उद्घाटन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) डीसीएम श्रीराम लि. लोनी चीनी मिल के पेराई सत्र का शुभारंभ विधिवत पूजा के साथ उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी एवं ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक पुत्तन लाल ने किया। पेराई सत्र के उद्घाटन के अवसर पर चीनी मिल के अपर उपाध्यक्ष राजा श्रीवास्तव ने मौजूद कृषकों को आगामी पेराई सत्र के लिए शुभकामनाएं देकर कहा इस वर्ष चीनी मिल का पेराई सत्र 150 लाख कुंतल है। चीनी मिल समय पर भुगतान करने के लिए कटिबद्ध है। बताया क्षेत्रवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन द्वारा चीनी मिल की पेराई क्षमता का विस्तारीकरण पूर्ण कर लिया गया है। निर्धारित पेराई क्षमता 10100 प्रतिदिन की दर से कार्य करेगी। किसान भाई अपने रकबे में अधिक से अधिक गन्ना बुवाई कर मिल को गन्ना आपूर्ति में सहयोग करें। कहा किसानों का हित चीनी मिल के लिए सर्वोपरि है। गन्ना विभाग के अनिल सिंह ने कृषकों को आय बढ़ाने के लिए गन्ने की उन्नतशील प्रजातियो तथा वैज्ञानिक तकनीकियों को अपनाकर उपज बढ़ाने व अपनी आमदनी दोगुनी करने के लिए जोर दिया साथ ही लेवरों की लागत कम करने के लिए मैकेनिकल प्लांटर से शरद कालीन गन्ना बुवाई किए जाने की सलाह दी। उन्होंने खेतों में प्रेसमड व कपोस्ट खाद डालने के साथ ही फसल के अवशेष न जलाने तथा पानी बचत तकनीक अपनाने पर भी जोर देते हुए कहा सभी किसान ताजा साफ सुथरा गन्ना आपूर्ति करें। पेराई सत्र की शुरुआत में गन्ना विकास परिषद लोनी द्वारा प्रथम बैलगाड़ी एवं ट्राली द्वारा लाए गए गन्ने की तौल कर किया गया। पेराई सत्र शुरू होने से किसानों में खुशी की लहर देखी गई।

दोपहर में राज्य मंत्री रजनी तिवारी जैसे ही मिल पहुंची मिल अधिकारियों सहित मौजूद प्रगतिशील किसानों ने उनका जोरदार स्वागत किया। राज्य मंत्री ने बैलगाड़ी और ट्रैक्टर ट्राली से गन्ना लाने वाले किसानों को अपने हाथों से सम्मानित किया। उद्घाटन अवसर पर ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा,जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत सहित हरियावा मिल के संजय इकाई प्रमुख प्रदीप त्यागी, रूपापुर के इकाई प्रमुख संजीव कुमार तोमर, शोभित रस्तोगी, अखिलेश गुप्ता, अतुल श्रीवास्तव, सुनीता पांडेय, बीपी शर्मा, बलबीर सिंह, अली आरजू जैदी, आनंद सिंह, विवेक रस्तोगी, विष्णु दीक्षित सहित चीनी मिल के अन्य तमाम अधिकारी और प्रगतिशील किसान छोटे सिंह, शोभा शुक्ला, रविशंकर शुक्ला आदि मौजूद रहे।

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नो लॉजी में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन स्व. कमला बहुगुणा के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में किया गया। लखनऊ कैंपस के ऑडिटोरियम में आयोजित इस प्रतियोगिता का विषय था क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है? इसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऋचष बाजपेयी (एमए राजनीतिक शास्त्र, तृतीय सेमेस्टर) ने पहला स्थान, प्रकृति सोनी (एमए साइकोलॉजी, प्रथम सेमेस्टर) ने दूसरा स्थान, और नीलाक्षी मिश्रा (बीए, पांचवा सेमेस्टर) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंश त्रिवेदी और हर्ष वर्मा (मानविकी विभाग) को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी स्थान प्राप्त करने वाले छात्र इंटर–यूनिवर्सिटी वाद–विवाद प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ताओं नरेंद्र त्रिपाठी, प्रोमिला अरोड़ा, और अनूप श्रीवास्तव (प्रबंधक, महर्षि विद्या मंदिर, लखनऊ) ने कमला बहुगुणा के जीवन और उनकी विरासत पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने सम्मानित राजनीतिक नेत्री श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी के इस विचार के दूरदर्शी लक्ष्य पर चर्चा की द्य माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) भानु प्रताप सिंह ने वाद–विवाद को उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग बताया, जबकि एमयूआईटी के डीन अकादमिक्स डॉ. नीरज जैन ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सपन अस्थाना ने कार्यक्रम का सारांश प्रस्तुत किया, और पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ.मनोज कुमार सिंह थे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सरिता वर्मा, डॉ. रमाकांत मौर्य, डॉ. सपन अस्थाना, और समीर त्रिपाठी शामिल थे। डॉ. रूपम सिंह, डीन साइंस एंड ह्यूमैनिटीज ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया, और कार्यक्रम को सफल बनाने में रजिस्ट्रार डॉ. गिरीश छिमवाल, राजेश सिंह और उनकी टीम ने विशेष योगदान दिया।

श्री रामस्वरूप मेमोरियल कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने किया उल्लेखनीय प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। प्रतिभा और टीम वर्क के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने हाल ही में IIIT इलाहाबाद के वार्षिक कार्यक्रम i.e Alamode (Effervescence) में पहला स्थान हासिल किया . उनके संकाय समन्वयक एर संध्या श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में और उनके कार्यकारी निदेशकों इर पंकज अग्रवाल और इर. पूजा अग्रवाल द्वारा समर्थित, टीम ने इस आयोजन में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता जो पूरे क्षेत्र के कई कॉलेजों के प्रतिभागियों को आकर्षित करती है। रामस्वरूप की टीम ने न केवल अपनी आलोचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया, बल्कि दबाव में एकजुट होकर काम करने की अपनी क्षमता का भी प्रदर्शन किया।

College management द्वारा समर्थित छात्रों ने अपने समर्पण और कड़ी मेहनत का सही मायने में भुगतान किया है बताते हुए बहुत गर्व व्यक्त किया है। टीम की जीत न केवल रामस्वरूप की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है बल्कि भविष्य के छात्रों को महानता के लिए प्रयास करने के लिए भी प्रेरित करती है। जैसे–जैसे वे आने वाली प्रतियोगिता की तैयारी करते हैं, कॉलेज समुदाय उत्सुकता से आगे और अधिक सफलता की उम्मीद करता है।

एस एस डी पब्लिक स्कूल में बच्चों ने मनाई दीपावली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। अलीनगर सुनहरा, कृष्णा नगर लखनऊ स्थित एस एस डी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने रंगोली दीप प्रज्वलन और अंताक्षरी प्रतियोगिता के माध्यम से आज दीपावली के पूर्व धनतेरस के दिन ध् मधाम से इस पर्व को मनाया स कुछ बच्चों ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया तो कुछ ने दीप प्रज्वलन में और कुछ अंताक्षरी प्रतियोगिता में स सभी बच्चों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक रामानंद सैनी ने कहा कि दीपावली ज्ञान के उजाले का पर्व है स हमें छुट्टियों में अवश्य पढ़ना चाहिए स खासकर दीपावली वाले दिन और जमघट के दिन स हर बच्चे को पढ़ना है स अंधविश्वास, पाखंड को भगाना है अपने ज्ञान के दीपक को जलाना है और पूरे घर के साथ–साथ घर के बाहर भी सफाई करनी है स तभी दीपावली पर्व का महत्व समझ में आएगा स इसके अलावा बच्चों को डायरेक्टर प्रशांत सैनी ,मधु अवस्थी ,सर्वेश कुमार ,जितेंद्र कुमार, कैलाश सरस्वती शिवानी वर्मा, आराधना मिश्रा, जानवी सिंह, स्नेहलता ,प्रीति राय और मीना रावत ने भी संबोधित किया और सभी बच्चों व अभिभावकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के नाम पर दलाली - नगर निगम काउंटर पर दलाल सक्रिय

गोरखपुर, संवाददाता। नगर निगम के जन्म–मृत्यु काउंटर के पास दलाल सक्रिय हो गए हैं। सोमवार की एक दलाल ने दो आवेदकों से क्रमश : 500 और 600 रुपये वसूल लिए। शिकायत पर नगर आयुक्त ने तत्काल वहां गार्डों को भेजा, लेकिन दलाल फरार हो गया। नगर निगम की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। नगर आयुक्त के निर्देश पर काउंटर पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर को वहां से हटा दिया गया है।जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह नगर निगम के जन्म–मृत्यु काउंटर पर संतकबीर नगर के औराडौड निवासी शैलेंद्र कुमार पांडेय और गोरखपुर के भलुआन निवासी रविंद्र सिंह काउंटर पर बैठे कंप्यूटर ऑपरेटर से जन्म प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया पूछ रहे थे। वहीं पर सोहराब खान नाम का एक बाहरी व्यक्ति बैठा था। उसने आश्वासन दिया कि वह बहुत जल्द प्रमाण पत्र बनवा देगा। इसके लिए उसने दोनों आवेदकों से क्रमशरू 500 और 600 रुपये ले लिए। थोड़ी देर में उनको कुछ संदेह हुआ तो उन्होंने तत्काल इसकी शिकायत नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल से की।

नगर आयुक्त ने इसे गंभीरता से लेते हुए तुरंत अपने लिपिक संदीप को सुरक्षा गार्डों के साथ जन्म प्रमाण कार्यालय भेजा, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो गया। दोनों आवेदकों से लिखित बयान लेने के बाद जोनल अधिकारी अनुष्का सिंह ने कोतवाली थाने में सोहराब खान वल्दियत व पता अज्ञात के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने के लिए तहरीर भेजा। शाम को केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दुकान का शटर तोड़ चोरों ने उड़ाए लाखों के जेवरात

देवरिया, संवाददाता। थाना क्षेत्र के पाण्डेय चौराहा पर सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने सराफा दुकान में सेंध लगाई और लगभग पांच लाख रुपये के आभूषणों की चोरी कर ली। इसकी जानकारी पर मंगलवार सुबह पीड़ित के साथ सैकड़ों लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटना से लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। वही चोरी की वारदात की जांच करने पहुंची पुलिस को दुकान के पीछे कुछ अंगूठी आउट उसके डिब्बे बिखरे हुए मिले। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। भरहेचौरा गांव के संतोष वर्मा पाण्डेय चौराहा पर सराफा की दुकान चलाते हैं, मंगलवार को धनतेरस होने के चलते वह सोमवार की देर रात तक की सफाई करने के बाद घर चले गए।मंगलवार सुबह लोगों ने दुकान का शटर खुला देख संतोष को इसकी जानकारी दी।

14 साल बाद झगहां साधन सहकारी समिति से किसानों को मिली खाद

गोरखपुर, संवाददाता। साधन सहकारी समिति झगहां से किसानों को 14 साल बाद खाद मिलनी शुरू हुई तो किसानों में खुशी व्याप्त हो गई। इसके पहले किसानों को खाद के लिए दूसरी जगह पर दौड़–भाग करना पड़ता था। बता दें कि पहले साधन सहकारी समितियों को जिला सहकारी बैंक से धन मिलता था। इससे वह खाद लाकर बेचती थी। लेकिन, बैंक का लाइसेंस नवीनीकरण न होने के कारण आरबीआई ने उसे डिफाल्टर घोषित कर दिया। बाद में केंद्र सरकार ने सभी समितियों को 10 –10 लाख रुपये दिया ओर कहा कि इससे समितियां खाद लाकर किसानों को दें। खाद बेचकर पैसा जमा करें और उससे दोबारा खाद लाएं। लेकिन, कृषि विकास योजना के अंतर्गत साधन सहकारी समिति झगहां को धन नहीं मिला। इससे वह व्यवसाय नहीं कर पा रही थी। अब जिला सहकारी बैंक से समिति का 10 लाख रुपये का क्रेडिट लिमिट पास हो गया है। इससे समिति से व्यवसाय शुरू हो गया है। समिति के सचिव ने खाद लाकर बेचना शुरू कर दिया है। एआर नीरज कुमार ने बताया कि 14 साल बाद जब झगहां समिति पर खाद की गाड़ी पहुंची और किसानों में वितरित होने लगी तो किसानों में खुशी व्याप्त हो गई। किसानों को यह भरोसा रहता है कि समिति से जो खाद मिलती है उसकी गारंटी होती है।

गर्भवतियों को 155 निजी केंद्रों पर भी मिलेगी नि:शुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा

गोरखपुर, संवाददाता। मातृ स्वास्थ्य सेवा देने वाले सभी 155 पंजीकृत निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर सरकारी खर्चे से गर्भवतियों को अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा मिलेगी। इस संबंध में सीएमओ ने पत्र भी जारी कर दिया है। इस योजना के तहत सरकारी अस्पताल में जांच कराने वाली गर्भवती भी निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर से जांच करा सकेंगी। सीएमओ डॉ. आशुतोष दूबे ने बताया।

बिना टमाटर के सिर्फ केमिकल से बन रहा था टोमेटो सॉस, फैक्टरी सील किया

गोरखपुर, संवाददाता। शहर के कुनराघाट इलाके में एक फैक्टरी में बिना टमाटर के केमिकल (रसायन) से टोमेटो सॉस बनाया जा रहा था। इसके अलावा इसी फैक्टरी में सेवई भी बन रही थी। जहां ये खाद्य सामग्रियां बन रही थीं, वहां काफी गंदगी थी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापा मारकर तैयार छह क्विंटल सॉस और सेवई जब्त की है। मौके पर एक ड्रम अमोनियम सल्फाइड, 20 लीटर सोडिएम बेंजोएट, 70 बोरी मैदा समेत अन्य सामान भी जब्त किए गए। टोमेटो सॉस की गुणवत्ता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि टमाटर का एक टुकड़ा भी फैक्टरी में नहीं मिला। कुनराघाट इलाके की एक फैक्टरी में टोमेटो सॉस और सेवई बनाने का काम लंबे समय से चल रहा था। यहां से लिए गए नमूनों का सैंपल फेल होने के बाद एक बार चेतावनी भी दी गई थी। इधर, कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि फैक्टरी में बना टोमेटो सॉस ठेलों पर बर्गर बेचने वाले खरीद रहे हैं, जिसकी गुणवत्ता खराब है। सोमवार को टीम फैक्टरी की जांच करने पहुंची तो यहां बड़ी मात्रा में तैयार टोमेटो सॉस मिला। इसे बनाने के लिए सामग्री के रूप में कोई फल या सब्जी का टुकड़ा तक नहीं मिला। जबकि सिंथेटिक रंग के 22 डिब्बे, 20 किलोग्राम सोडिएम बेंजोएट, तीन ड्रम केमिकल, एक ड्रम अमोनियम सल्फाइड, 70 बोरी मैदा आदि पाए गए। पूछताछ में पता चला कि यहां जो टोमेटो सॉस बनाया जा रहा था, वह पूरी तरह से केमिकल व रंगों के प्रयोग से बन रहा था, जो सेहत के लिए हानिकारक है। इसी तरह यहां बन रही सेवई में भी सफाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा था। मशीन और उसके आसपास काफी गंदगी फैली हुई दिखी। कार्रवाई के दौरान मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी हितेंद्र मोहन त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष कुमार समेत कई अफसर व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला अस्पताल के वरिष्ठ फीजियशन डॉ राजेश कुमार ने बताया कि केमिकल युक्त खाद्य सामग्री के सेवन से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। मिलावटी सॉस में हानिकारक केमिकल और बैक्टीरिया की वजह से उल्टी–दस्त हो सकती है।

केमिकल, रसायन एलर्जी के भी कारण बनते हैं, जिससे खुजली, लालिमा आदि लक्षण दिख सकते हैं। इससे लिवर और किडनी पर भी प्रतिकूल असर होता है। केमिकल की वजह से न्यूरोलॉजिकल समस्याएं, जैसे सिरदर्द, थकान और याददाश्त कमजोर होने तक की नौबत आ सकती है।

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली, भैयादूज एवं छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।

अग्रहरि वस्त्रालय एवं ज्वैलरी हाउस
प्रो0 रामचन्द्र अग्रहरि
बाबूगंज बाजार, बलीपुर, सुलतानपुर

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली, भैयादूज एवं छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।

यादव वर्तन भंडार एवं ज्वैलर्स
प्रो0 राम कुमार यादव
रसूलपुर बाजार, बलीपुर, सुलतानपुर

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

सभी अयोध्यावासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

डा. अजय तिवारी
अवध क्लिनिक
शाहजहांपुर, बेनीगंज अयोध्या।

सभी अयोध्यावासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

डा. एस के मौर्या
अवध क्लिनिक
वजीरगंज जप्ती, अयोध्या

सभी देशवासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

सभी अयोध्यावासियों को धनतेरस, दीपावली एवं भाईदूज की शुभकामनाएं

राधारमण वस्त्रालय महिमा स्कूल के बगल पंडित का पूरा, हाथपाकड़, अम्बेडकर नगर